Unit-4 B·M·H & M

Childhood & Growing Up

i) Difference in learners based on Socio-cultural Contexts.
ii) Impact of home languages of learners and language of instruction
Impact of differential cultural capital of learners.

भूमिका

Date: 20/04/2020

Socio-Cultural Contexts :-

भूमिका → सामाजिक परिवर्तन के लिए कोई एक महत्वपूर्ण कारक उत्तरदायी नहीं होता है। इसके अनेक कारक हैं और ये कारक किसी देश एवं काल से प्रभावित होते रहते हैं। यही कारण है कि प्राचीन एवं मध्यकाल में परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण कारक समाज थे। समय के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन का स्वरूप एवं कारक दोनों में बदलाव हुए हैं। यही कारण है कि आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन बिना किसी कारक के अकस्मात घटित नहीं होते।

आम बोल-चाल की भाषा में जब भिन्न-2 प्रकार की चीजें, जीव और प्राणी एक साथ रहते हैं। अर्थात विभिन्न प्रकार के प्राणियों का सह अस्तित्व ही विविधता है। आपने अपने पास एक सुन्दर बगीचा या उद्यान देखा होगा। बगीचा इसलिए खूबसूरत नहीं होता है कि इसमें फूलों के पेड़ लगे होते हैं। बल्कि वो खूबसूरत इसलिए होता है कि इसमें विभिन्न प्रकार के सजावटी पौधों एवं फूलों के पौधे लगे होते हैं। विभिन्न रूप रंग और आकार के ये पौधे बगीचे के सौन्दर्य में चार चाँद लगा देते हैं। यह सुन्दरता चाहे कश्मीर के शालीमार बाग में देखने को मिलती

को मिलती हैं, तो दूसरी ओर दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के उद्यान में भी यह नजर आता है। अगर विविधता न हो तो जीवन नीरस हो जाएगा।

इसी प्रकार समाज में शिक्षा का एक महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षा में भी विविधता का एक महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षा में समाज के विभिन्न विविधता का दर्शन कई स्तरों एवं कई रूपों में देखा जा सकता है। यह छात्रों के समूह में वर्ग, लिंग एवं योग्यता पर आधारित हो सकता है। अथवा स्थान विशेष के आधार पर ग्रामीण और शहरी में विभक्त या फिर कुल विशेष में जन्म के आधार पर वर्ग में विभाजित। साथ ही, आर्थिक साधनों के स्वामित्व के आधार पर भी शिक्षा में विविधता को देखा जा सकता है। विविधता ही जीवन को जीवन्त बनाता है और उसमें रंग भरता है।

i) वर्ग विविधता (Class diversity) -

राष्ट्रीय शैक्षिक नियोजन एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (NUEPA) के रिपोर्ट के अनुसार सरकारी प्रबंधन के अधीन कार्य करने वाले प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अनुसूचित जाति एवं जन-जाति के नामांकित छात्रों का प्रतिशत 11.3% एवं

100.00 प्रतिशत है, और निजी प्रबंधन के अधीन प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों का प्रतिशत 0.09 तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर 0.07 है।

ii) लिंग विविधता - (Gender Diversity) - लड़का और लड़कियों को ही जानेवाली शिक्षा में प्रारंभ से ही असमानता रही है, किन्तु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद इस असमानता को दूर करने के प्रयास केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार दोनों स्तर पर किये जाते रहे हैं।

वर्ष NUEPA के Gender Parity Index GPI यदि सरकारी विद्यालयों के संदर्भ में देखा जाए तो वर्ष 2009-20 में यह प्राथमिक शिक्षा 0.92 तथा उच्च प्राथमिक में यह 0.87 था

iii) भाषा विविधता (Language Diversity) बिहार में वैसे तो हिन्दी भाषा के माध्यम से ही शिक्षण प्रदान किया जाता है, पर हिन्दी के अलावा जैसे - उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी एवं अन्य भाषाएँ सम्मिलित है। इन विभिन्न भाषाओं में शिक्षा प्रदान करने वाले विद्यालयों का राज्य प्राथमिक शिक्षा रिपोर्ट कार्ड 2018-2019
Eg - हिन्दी उर्दू संस्कृत अंग्रेजी अन्य

iv) छात्रों की योग्यता में विविधता।
(Diversity in the Ability of children)

यह आवश्यक नहीं है कि किसी भी विद्यालय के वर्ग विशेष में पढ़ने वाले सभी बच्चे एक ही प्रकार की शारीरिक एवं मानसिक योग्यता से पूर्ण हो। योग्यता में विभिन्नता उनकी विशेष आवश्यकताओं के कारण हो सकता है जिन्हें विशेष आवश्यकता वाले बच्चे के तहत रखा गया है। दूसरी ओर वे बच्चे भी इस कोटि में रखे गए हैं जो किसी प्रकार से असमर्थ या अशक्त हैं, साथ ही इसमें वर्ग विशेष के लिए तथ मान के उम्र और ज्यादा उम्र के छात्रों की संख्या की भी चर्चा की गई है।

v) ग्रामीण शहरी विविधता (Rural-urban Diversity) :- भारत की कुल-जनसंख्या की 72% आबादी गाँवों में निवास करती है। जबकि प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने वाले कुल 18,75,575 विद्यालयों का 87.30% ग्रामीण स्थानों में स्थित है बिहार में भी 95.50% प्रारंभिक विद्यालय

Page No.
Date :

ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। बिहार में 2018-2019 के आँकड़ों के अनुसार 67,749 प्रारंभिक विद्यालय हैं, जिसमें से 6,034 विद्यालय शहरी क्षेत्रों में हैं।

vi) आर्थिक विविधता (Economic Diversity)

प्रारंभिक विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र विभिन्न आर्थिक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं। गाँवों में रहने वाले लोगों को काश्तकार, खेतिहर मजदूर, घरेलू कामकाज व अन्य कार्य करने वाले की कोटि में बाँट जा सकता है। जिसमें इस वर्ग के कार्य करने वाले बच्चे पढ़ते हैं। जिसमें अनुसूचित जाति के बच्चे भी शामिल हैं। शहरों में स्थित प्रारंभिक विद्यालयों में निम्न आय वर्ग के वे सभी बच्चे जो आर्थिक तंगी के कारण निजी विद्यालयों में नहीं जाते हैं, शिक्षा प्राप्त करते हैं। शहरी प्रारंभिक विद्यालयों में घरेलू कामकाज करने वाले, प्रतिदिन मजदूरी करने वाले एवं सरकारी एवं निजी संस्थानों में कार्य करनेवालों के बच्चे भी पढ़ते हैं। किन्तु यह स्पष्ट है कि जो निजी शिक्षा के फीस को देने में सक्षम हैं वो गुणवत्ता की दृष्टि से उन विद्यालयों को भी पसंद करते हैं।

Page No.
Date :

वाइगोट्स्की का सामाजिक-संस्कृति सिद्धान्त
(Socio-Cultural Theory of Vygostsky)

पूरा नाम - लिव सिमनोविच वाइगोट्स्की
जन्म - 17 Nov 1896
मृत्यु - 11 June 1934
देश - रूस

रूसी मनोवैज्ञानिक वाइगोट्स्की ने बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में समाज एवं संस्कृति प्रक्रियाओं जैसे - भाषा, क्रीड़ा-खिलौना, परिवार, समाज, अभ्यास एवं अन्तःक्रिया को प्रमुख माना है।

वाइगोट्स्की के विकास में तीन प्रमुख कारण हैं।

(a) संस्कृति (Culture)
(b) समाज (Society)
(c) भाषा (Language)

वाइगोट्स्की आधुनिक तथा विकास के विषय में विशिष्ट तथा प्रभावी विचार प्रकट करते हैं। उनके इस बात पर जोर देते हैं। कि संज्ञानात्मक विकास की प्रकृति वस्तुतः सामाजिक है न कि संज्ञानात्मक, जैसा कि पियाजे का मानना है। इस प्रकार पियाजे का सिद्धान्त निर्मितिवाद है। जबकि वाइगोट्स्की का सिद्धान्त सामाजिक निर्मितिवाद है।

Scanned with CamScanner

अत: वाइगोत्स्की के अनुसार सभी मानसिक या बौद्धिक क्रियाएं पहले बाहरी समाज की दुनिया में घटित होती हैं एवं अन्त: क्रियाओं द्वारा बालक अपने समुदाय की संस्कृति (सोचने और व्यवहार करने के तरीके) को सीखता है। इसी के चलते वाइगोत्स्की सामाजिक वातावरण के विभिन्न पक्षों जैसे- परिवार, समुदाय, मित्र एवं विद्यालय के बच्चों के विकास में भूमिका पर बल दिया।

वाइगोत्स्की से Related तथ्य

i) MKO (More knowledgeable others)
ये Concept है कि हमसे भी ज्यादा कोई जानता है।

ii) ZPD (Zone of Proximal Development)
निकट सम्भावित / समीपस्थ विकास का क्षेत्र

iii) Scaffolding - (ढाँचा निर्माण) विकास की संभावना है
- एक ऐसी क्षेत्र एवं विकास असंभव है
Ex- जब कोई बालक पैर के सहारे चलना प्रारंभ करता है तो उस समय जब कोई व्यक्ति उसकी उंगलीयों को पकड़ता है, तो बालक कई कदम और चल जाता है। यह Scaffolding का उदाहरण है

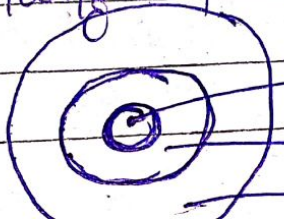

Chilhood & Growing up 23/04/2020

भूमिका :-

बाल्यकाल में भाषा विकास

Language Development during Childhood

1 -> आयु के साथ-साथ बालकों में सीखने की गति में भी वृद्धि होती है।

2 -> प्रत्येक क्रिया के समय - विस्तार में कमी होती जाती है।

3 -> बाल्यकाल में बच्चों शब्द से लेकर वाक्य-विन्यास को सभी क्रियाएं सीख लेता है।

4) लड़कियों की भाषा का विकास लड़कों की अपेक्षा अधिक तेजी से होती है।

5) लड़कों की अपेक्षा लड़कियों के वाक्यों में शब्द संख्या अधिक होती है।

6) भाषा के विकास में समुदाय, घर, विद्यालय, परिवार की आर्थिक, सामाजिक परिस्थिति का प्रभाव बहुत होता है।

7) वस्तुओं को देखकर उसका सम्प्रत्यय ज्ञान होने लगता है। इसके पश्चात बच्चे को अभिव्यक्ति में भी आनन्द मिलता है।

बाल्यकाल में होने - वाले भाषा - विकास की मुख्य - विशेषताएँ (Main characteristics of

(1) जिज्ञासु प्रवृति (Curious Nature) - 3 - 4 वर्ष तक

अत: उसकी भाषा में आत्म - केन्द्रित शब्दों का उच्चारण ही शामिल होता है। जैसे - शारीरिक क्रिया में बाधा डालने पर माँ को बुलाना / भूख लगने पर दूध माँगना

स्कूल जाने पर जागरूकता बढ़ती है।

Scanned with CamScanner

Page No.
Date :

2) मुश्किल उत्तरों वाले प्रश्न पूछना →
Asking Question which is difficult to Answer.
→ इस अवस्था में बालक अचानक ऐसे प्रश्न पूछते हैं जिनका उत्तर देना कठिन हो जाता है।

3) शब्द उच्चारण - तीन-चार वर्ष की आयु में बालक वस्तुओं की अनुभूति का उच्चारण तथा छोटे-छोटे वाक्यों का उच्चारण करने लगता है।

4) लिखित भाषा का प्रयोग - बाल्यावस्था में बालक भाषा को पूर्ण रूप से लिखने लगता है।

5) शब्द भंडार - (Vocabluary) —
चार की अवस्था में - 1600 शब्द
$4\frac{1}{2}$ " " - 1900 "
5 " " = 2100 "
6 " " - 50,000 "
10+2 " " = 80,000 "

6) लड़कियों में लड़कों की अपेक्षा तीव्र भाषा विकास —
लड़कों के अपेक्षा लड़कियाँ अपनी बात को पूरी अच्छे से ढंग से करती हैं।

* Language development humans is a process starting early in life. Infants start without knowing language

* [illegible] से भाषा का [illegible]

= 10 months. babbling

Mothers Voice

Mothers in the United States use more questions are more information oriented. and use more grammatically correct utterances with their

Motherese

Japan — on the other hand, use more physical contact with their infants and more emotion-oriented, nonsense and environmental sounds as well as baby talk with their infants. These differences in interaction techniques reflect differences in each society's assumptions about infants and adult-to-adult cultural styles of talking.

Scanned with CamScanner

Page No.
Date :

छात्रों को भारतीय विचारधारा और भारतीय समाज की भाषा की पृष्ठभूमि का स्पष्ट ज्ञान प्रदान किया जाना चाहिये। छात्रों को उत्तम मानसिक भोजन दिया जाना चाहिये, जिससे मानसिक विकास स्वास्थ्य हो और भाषा विकास विचारों के पर्यावरण में हो। छात्रों को नगर की गन्दगी और अनैतिकता से दूर प्रकृति के घनिष्ठ सम्पर्क में रहकर शिक्षा देनी चाहिए। शिक्षा सर्वांग होनी चाहिये और उसे सजीव एवं गतिशील होने के लिए व्यापक होना चाहिए। शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना चाहिए। क्योंकि विदेशी भाषा के द्वारा अनन्त मूल्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकता। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति की सब जन्मजात शक्तियों का विकास करके उसके व्यक्तित्व का सर्वांगीण सामंजस्य पूर्ण विकास करना चाहिए।

शिक्षा और गृह भाषा में बालक का चरित्र का निर्माण, आत्मिक शक्ति का विकास और बौद्धिक विकास कर आत्म-निर्भर बन सकता है। धार्मिक शिक्षा पुस्तकों से दी देकर व्यवहार, आचरण एवं संस्कारों के माध्यम से ही जाय।

Scanned with CamScanner

Page No.
Date :

बालक एवं बालिकाओं को समान शिक्षा दी जाय जन साधारण में शैक्षिक चेतना जागृत की जायें। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा की व्यवस्था की जायें, इस प्रकार स्पष्ट है कि समाज. गृह भाषा एक ही सिक्के के दो पहलू के सदृश है। गाँधी का मानना था कि शिक्षा केवल सूचनायें प्राप्त करना ही नहीं है अध्यापक बालक के मस्तिष्क में केवल रटी-रटाई सूचनायें बलपूर्वक ठूंसता है कि उसे शिक्षा मानना शिक्षा का अनर्थ मात्र है। गाँधी ने मातृ-भाषा का शिक्षा का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा है 'सभी कार्यों, अभ्यासों का उद्देश्य मनुष्य निर्माण ही है। यानि समाजवाद को प्रतिष्ठित करने के लिए शिक्षा का सर्वांगीण विकास आवश्यक है, समाजवाद, गृह भाषा और शिक्षा के माध्यम से ही विश्व शांति की परिकल्पना संभव है।

Scanned with CamScanner